पूर्व प्रशासनिक अधिकारी अरूण दुगड़ प्रज्ञा पुरस्कार से सम्मानित

दुगड़ ने की पुरस्कार राशि को अणुव्रत के लिए समर्पित

लाडनूं, 23 सितम्बर।

जैन विश्व भारती के द्वारा सामाजिक क्षेत्र उल्लेखनीय योगदान देने वाले को प्रदान किया जाने वाला प्रज्ञा पुरस्कार पूर्व प्रशासनिक अधिकारी जयपुर निवासी अरूण दुगड़ को प्रदान किया गया। राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में जैन विश्व भारती स्थित सुधर्मा सभा में आयोजित समारोह में जैन विश्व भारती के उपमंत्री भूरामल श्यामसुखा एवं पुरस्कार प्रायोजक उम्मेदसिंह दुगड़, विनोद दुगड़, दिलीप दुगड़, ने अरूण दुगड़ को प्रशस्तिपत्र, मोमेंटो, साहित्य एवं 1 लाख पुरस्कार राशि का चैक समर्पित किया। चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति की तरफ से धनपत दुगड़ ने साहित्य के द्वारा सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि अरूण दुगड़ ने पुरस्कार राशि में अपनी ओर से राशि को जोड़कर अणुव्रत आंदोलन में नियोजित करने की घोषणा की।

इस अवसर पर आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने कहा कि कार्य, कार्यकर्त्ता एवं कर्तृत्व इन तीनों की दृष्टि से अरूण दुगड़ का व्यक्तित्व सम्पूर्ण राजस्थान के लोगों से परिचित है। दुगड़ का परिवार तेरापंथ का प्रतिष्ठित परिवार है। उन्होंने कहा कि दुगड़ ने अनैतिकता के युग में नैतिकता एवं पूर्ण प्रामाणिकता का जीवन जीया है। अब इनको अणुव्रत आंदोलन की मजबूती देने के लिए अणुव्रत कार्यकर्त्ता की बागडोर संभालनी है।

आचार्य महाप्रज्ञ ने मुंबई में संचालित सोमैया इंस्टिट्यूट के मुख्या के शिक्षा क्षेत्र में नई शुरूआत करने के चिंतन को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि मैंने अनेक धनपतियों को देखा है पर जो अपने जीवन को शिक्षा एवं समाज के लिए समर्पित करने वाले बहुत कम होते हैं। सोमैयाजी ने शिक्षा के विकास पर अपने आपको समर्पित कर समाज के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है। इनका यहां आना और जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के विकास हेतु अपना चिंतन प्रस्तुत करना कारगर सिद्ध होगा।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि प्रज्ञा शब्द का प्रयोग भारती वांग्मय में प्रज्ञा शब्द का विशेष उल्लेख मिलता है, प्रज्ञा बुद्धि से भी परे की स्थिति है। उन्होंने प्रज्ञा पुरस्कार से सम्मानित दुगड़ के समाज उत्थान के कार्यों एवं समर्पण निष्ठा का उल्लेख किया।

अरूण दुगड़ ने पुरस्कार स्वीकृति भाषण में कहा कि यह सम्मान मेरा सम्मान नहीं मेरे उन साथियों का सम्मान है जिन्होंने मुझे कुछ करने के लिए उत्साहित किया, विश्वास दिया। इस मौके पर श्री सोमैयाजी ने आचार्य महाप्रज्ञ को अपना रोल मॉडल बताया। अणुविभा जयपुर के मंत्री ओमप्रकाश जैन, अणुविभा जयपुर के अध्यक्ष राजेन्द्र बरड़िया, पन्नालाल पुगलिया ने अरूण दुगड़ को पुरस्कार दिये जाने पर अपनी शुभकामनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन वंदना कुण्डलिया ने किया।